अहमदाबाद जिला के 'देत्रोज, मांडल, विरमगाम तालुका के प्राथमिक विद्यालयों के छात्रों की गुजराती और हिंदी विषय की अकादमिक उपलब्धि की तुलना - २०१४-१५

मार्गदर्शक
डॉ. आर. के. प्रजापति
प्रिन्सिपाल
स्वामी नारायण गुरुकुल, बी.एड.कोलेज पालनपुर

शोधकर्ता
लीना उपाध्याय
रिसर्च स्कॉलर,
पेसिफिक एकेडमी ऑफ़ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च युनिवर्सिटी, उदेपुर

प्रस्ताविक

शिक्षा मानव सशक्तिकरण की प्रक्रिया है। प्राथमिक शिक्षा पूरी शिक्षा की नींव है। 20 वीं शताब्दी के आखिरी दशक में कैपेसिटिव दृष्टिकोण के आधार पर प्राथमिक शिक्षा गुणवत्ता युक्त बनाने के लिए नये पाठ्यपुस्तकों को लागू किया गया है | तनावहीन शिक्षा और तरंग उल्लासमय शिक्षा जैसे दृष्टिकोण प्रचलित हो गए। 1 जून, 1 99 5 से, राज्य भर में लागू क्षमता-उन्मुख पाठ्यक्रम की प्रभावशीलता का परीक्षण करने के लिए मानक उपलब्धि परीक्षणों की आवश्यकता उभरी है।

गुणवत्ता युक्त शिक्षा लक्ष्यांक को प्राप्त करने के लिए सभी के लिए अकादमिक उपलब्धि सर्वेक्षण करना आवश्यक हो गया । शिक्षा शास्त्र भवन, भावनगर विश्वविद्यालय और जीसीईआरटी गांधीनगर के गहन मार्गदर्शन और नेतृत्व से जिला शिक्षा और प्रशिक्षण भाबन के व्याख्याताओं द्वारा बनाए गए मानक प्राधिकरण के आधार पर राज्यव्यापी सर्वेक्षण पूरा किया गया । इस मानक प्राधिकरण के आधार ले कर अहमदाबाद जिला के 'देत्रोज, मांडल, विरामगाम तालुके के प्राथमिक विद्यालयों के छात्रों की अकादमिक उपलब्धि को जान ने की जिज्ञासा ने शोधकर्ता को इस शोध के लिए प्रेरित किया |

1. समस्या कथन

अहमदाबाद जिला के 'देत्रोज, मांडल, विरामगाम तालुके के प्राथमिक विद्यालयों के छात्रों की अकादमिक उपलब्धि की तुलना - २०१४-१५

2. शोध के उद्देश्य

प्रस्तुत शोध समस्या को ध्यान में रखते हुए शोधकर्ता ने शोध के प्रमुख उद्देश्य निम्न लिखित निर्धारीत किये है -

- देत्रोज, मांडल, विरमगाम तालुका के 5 से 7 वीं कक्षा में पढ़ रहे छात्रों के गुजराती और हिंदी विषयों की अकादमिक उपलब्धि को ज्ञात करना |
- देत्रोज, मांडल, विरमगाम तालुका के 5 से 7 वीं कक्षा में पढ़ रहे छात्रों के गुजराती और हिंदी विषयों के कठिन बिंदुओं को ज्ञात करना | |
- जिला स्तर में कक्षा 6 से 8 में पढ़ रहे छात्रों की अकादमिक उपलब्धि के त्रिविध स्तर पर छात्रों की संख्या की तुलना करना ।

3. शोध में प्रयुक्त चर

प्रस्तुत शोध में स्वतंत्र चरके रूप में देत्रोज, मांडल, विरमगाम तालुका के 5 से 7 वीं कक्षा में पढ़ रहे छात्रों को लिया गया है |

4. शोध विधि

प्रस्तुत शोध में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है |

5. शोध की अगत्यता

प्रस्तुत शोध के फल स्वरूप,

- कक्षा 6 से 8 के छात्रों की अकादमिक उपलब्धि के बीच अंतर प्राप्त होगा।
- विषय, कक्षा के अनुरूप सत्रों में कठिन बिंदु में अंतर जान सकेंगे ।
- अकादमिक उपलब्धि के मौजूदा स्तर और जिले के अपेक्षित उपलब्धि लक्ष्य के बीच अंतर प्राप्त होगा।
- प्रस्तावित शोध परियोजना की जानकारी हेड इंस्टीट्यूट प्राथमिक शिक्षा कार्यालय, बीआरसीसी, सीआरसीसी, शिक्षकों और जीसीईआरटी, गांधीनगर के लिए उपयोगी हो सकती है।

6. शोध परिसीमन

प्रस्तुत अध्ययन की सीमाएं निम्नानुसार हैं।

- अध्ययन केवल गुजराती माध्यमिक विद्यालयों तक ही सीमित है |
- वर्तमान अध्ययन कक्षा 6 से 8 वीं कक्षा के भाषा के विषयों पर ही किया गया है |
- वर्तमान अध्ययन में, प्रज्ञा परियोजना में सामिल स्कूल को नहीं लिया गया हैं।

7. व्याप

व्यक्तिगत रूप से जिले के सभी तालुकों से पांच स्कूल चुने गए थे। अहमदाबाद जिला के 'देत्रोज, मांडल, विरामगाम तालुका के प्राथमिक विद्यालयों यानी की तीन तालुके की पांच स्कूलों - कुल 15 स्कूलों का चयन किया गया है।

8. न्यादर्श

चयनित स्कूलों से कुमार और कन्या को यादृच्छिक रूप से चुना गया था। विवरण तालिका में दिखाया गया है।

क्रम	तालुके का नाम	विद्यालय की संख्या	कक्षा 5			कक्षा 6			कक्षा 7			कुल विद्यार्थी संख्या
			कुमार	कन्या	कुल	कुमार	कन्या	कुल	कुमार	कन्या	कुल	
1	देत्रोज	5	50	50	100	50	50	100	50	50	100	300
2	मांडल	5	50	50	100	50	50	100	50	50	100	300
3	विरामगाम	5	50	50	100	50	50	100	50	50	100	300
	कुल	15	150	150	300	150	150	300	150	150	300	900

9. उपकरण

गुजरात के सभी डायट के अध्यापकों द्वारा तैयार की गइ कक्षा 5 से 7 के गुजराती और हिंदी विषयों की प्रमाणित कसोटी को शोधकर्ता ने उपकरण के रूप में उपयोग किया | उपकरण का विवरण तालिका में दिखाया गया है।

क्रम	कक्षा	विषय	प्रश्न संख्या	गुण
1	5	गुजराती	35	50
2		हिन्दी	36	50
3	6	गुजराती	35	50
4		हिन्दी	43	50
5	7	गुजराती	32	50
6		हिन्दी	41	50

10. सूचना विश्लेषण प्रक्रिया

उपरोक्त सभी परीक्षण की तालुका के आधार पर, कक्षा, विषय और जातीयता के आधार पर गुजराती और हिंदी विषयों के Mean, SD आदि निष्कर्षों की खोज की गई। इसके लिए भावनगर यूनी सेवानिवृत्त प्रोफेसर

श्री नवनीभाई राठोड द्वारा बनाए गए GAP (Computer Program) कार्यक्रम का उपयोग करके सांख्यिकी शास्त्रीय गणना द्वारा विभिन्न जानकारी प्राप्त की गई।

10. निष्कर्ष

अहमदाबाद जिले में देत्रोज, मांडल, विरामगाम में आयोजित कसोटी के विश्लेषण के बाद तैयार किए गए पूरे अध्ययन को देखते हुए, यह पाया गया कि,

•छात्रों का उपलब्धि स्तर अपेक्षित उपलब्धि लक्ष्य से बहुत दूर था।

विषय	कक्षा 5			कक्षा 6			कक्षा 7		
	35%	50%	75%	35%	50%	75%	35%	50%	75%
गुजराती	93.57	81.00	48.17	92.67	72.17	25.83	85.00	59.17	19.17
हिन्दी	84.67	67.83	24.00	88.17	69.33	33.17	92.00	75.50	38.67

•कुमार, कन्या के सिध्धि प्राप्तांक में कोई भेद नहीं दिखाई दिया |

कक्षा	विषय	जातीयता	M %	t गुणोत्तर
5	गुजराती	कुमार	69.92	0.98
		कन्या	67.68	
	हिन्दी	कुमार	61.96	2.70
		कन्या	55.36	
6	गुजराती	कुमार	63.49	1.66
		कन्या	59.90	
	हिन्दी	कुमार	63.40	1.80
		कन्या	58.60	
7	गुजराती	कुमार	56.13	1.03
		कन्या	53.77	
	हिन्दी	कुमार	65.17	.075
		कन्या	63.46	

अंक शाश्त्रीय पध्धति के मुताबिक 0.05 या 0.01 सार्थक न होने से कुमार, कन्या के सिध्धि प्राप्तांक में कोई भेद नहीं है |

संदर्भसूची

1. उचाट, डी.इ. एच.ओ.जोशी, एन.एस.दोंगा, अनिल अंबासना - आप एक शोध रिपोर्ट कैसे लिखते हैं? : शिक्षा विभाग, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय राजकोट।
2. देसाई, एच.जी. और देसाई के.जी. (1992)। अनुसंधान विधि और प्रविधि (5 वी आवृत्ति) अहमदाबाद: विश्वविद्यालय ग्रन्थ निर्माण बोर्ड - गुजरात राज्य
3. मोदी, डी. और डॉ भाल जे. - शिक्षा भवन, भावनगर विश्वविद्यालय भावनगर - संशोधन माधुकरी
4. देसाई, कृष्णकांत और स्व. देसाई हरिभाई - विश्वविद्यालय ग्रन्थ निर्माण बोर्ड, गुजरात राज्य - मनोवैज्ञानिक मापन
5. त्रिवेदी एम.डी. और पारेख बी.यू. - शिक्षा में सांख्यिकी विश्वविद्यालय ग्रन्थ निर्माण बोर्ड, अहमदाबाद, गुजरात राज्य